भारत : एक सामान्य परिचय

परिचय का आधार

स्थिति | नाम | आकृति | अक्षांश | देशान्तर | सीमा | राज्य | जिला

भारतीय राज्य व उनकी राजधानी

क्र.सं.	राज्य	राजधानी	क्र.सं.	राज्य	राजधानी
1	हिमाचल प्रदेश	शिमला (ग्रीष्म कालीन) धर्मशाला (शीतकालीन)	15	केरल	तिरुवंतपुरम्
2	पंजाब	चण्डीगढ़	16	तमिलनाडु	चेन्नई
3	हरियाणा	चंडीगढ़	17	आंध्रप्रदेश	अमरावती
4	उत्तराखण्ड	देहरादून	18	तेलंगाना	हैदराबाद
5	उत्तरप्रदेश	लखनऊ	19	पश्चिम बंगाल	कोलकाता
6	राजस्थान	जयपुर	20	गोवा	पणजी
7	गुजरात	गाँधीनगर	21	सिक्किम	गंगटोक
8	मध्यप्रदेश	भोपाल	22	असम	दिसपुर
9	छत्तीसगढ़	रायपुर	23	अरुणाचलप्रदेश	इटानगर
10	बिहार	पटना	24	नागालैंड	कोहिमा
11	झारखण्ड	रांची	25	मणिपुर	इम्फाल
12	ओडिशा	भुवनेश्वर	26	मिजोरम	आइजोल
13	महाराष्ट्र	मुम्बई	27	त्रिपुरा	अगरतला
14	कर्नाटक	बैंगलुरु	28	मेघालय	शिलांग

क्र.सं.	केन्द्र शासित प्रदेश	राजधानी
1	दमन एवं दीव, दादर व नागर हवेली	दमन
2	चंडीगढ़	चंड़ीगढ़
3	पुदुचेरी	पुदुचेरी
4	लद्दाख	लेह
5	लक्षद्वीप	कवारत्ती
6	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	पोर्ट ब्लेयर (दक्षिणी अंडमान)
7	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली	नई दिल्ली
8	जम्मू एवं कश्मीर	श्रीनगर (ग्रीष्मकालीन), जम्मू (शीतकालीन)

- **दमन एवं दीव** तथा **दादरा और नगर हवेली पहले दो अलग केन्द्र शासित** प्रदेश थे। 26 जनवरी 2020 को दोनों को मिलाकर एक कर दिया गया।
- 31 **अक्टूबर 2019 को जम्मू–कश्मीर और लद्दाख को केन्द्रशासित बनाया** लेकिन **जम्मू–कश्मीर की विधानसभा अलग** से होगी।

भारत की स्थिति

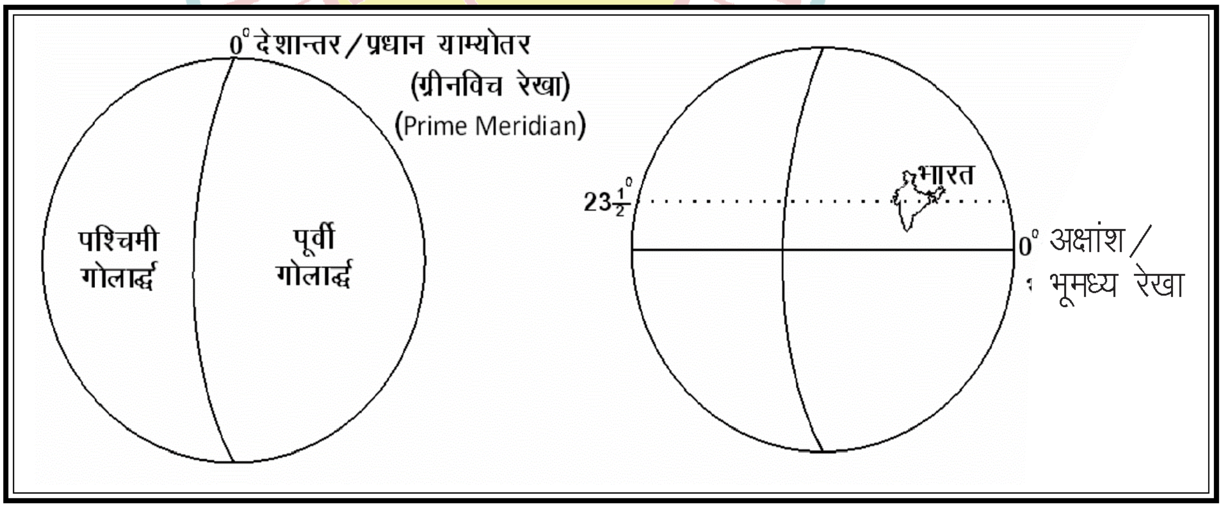

- विश्व के सन्दर्भ में **भारत उत्तरी गोलार्द्ध या उत्तरी अक्षांशो** तथा **पूर्वी देशान्तरों** में स्थित है।
- इस प्रकार कह सकते हैं कि **भारत उत्तरी–पूर्वी गोलार्द्ध** में स्थित है।
- एशिया के सन्दर्भ में **भारत एशिया के दक्षिण मध्य** में स्थित है।

❖ नाम के आधार पर परिचय :

1. **आर्यावर्त** – उत्तर में बसने वाले आर्यो के कारण।

2. **भारत** – आर्यो के राजा भरत के नाम पर (सर्वप्रथम उल्लेख विष्णु पुराण में)।

3. **हिन्दुस्तान** – ईरानियो/फारसियों ने सिन्धु नदी को हिन्दू नदी तथा नदी के किनारे बसने वाले लोगों को हिन्दुस्तानी कहा।

4. **इण्डिया** – यूनानियों ने सिन्धु नदी को इण्ड्स तथा देश को इण्डिया कहा। जेम्स अलेक्जेंडर ही वह पहले व्यक्ति थे जिन्होनें हिन्दू की जगह हिन्दू नाम से सम्बोधित किया।

5. **जम्बूद्वीप** – जैन–बौद्ध धर्म ग्रन्थों में।

6. **हिमवर्ष** –

7. **भारतवर्ष** –

8. **अजनाभवर्ष** –

9. **भारतखण्ड** –

10. **हिन्दू** –

11. **टियांजू** आदि के नाम से भी भारत को जाना जाता है।

- **अनुच्छेद 1** में भारत अर्थात् इंडिया राज्यों का संघ होगा। (India that is Bharat)
- **भारत एक उपमहाद्वीप** भारत के उत्तर में हिमालय, उत्तर–पश्चिम में सुलेमान व हिन्दुकुश पर्वत श्रेणिया, **दक्षिण में हिन्द महासागर इन सभी प्राकृतिक सीमाओं** से घिरे हुएं सम्पूर्ण भौगोलिक क्षेत्र को उपमहाद्वीप कहते है। इसमें कुल 7 देश **(भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव)** शामिल है।

❖ आकृति :

- भारत **चतुष्कोणीय आकार** का देश है।
- भारत का **अक्षांशीय व देशान्तरीय अन्तर लगभग** समान है जिसके कारण यह **चतुष्कोणीय आकृति ग्रहण** करता है।

भारत का अक्षांशीय विस्तार

- भारत **अक्षांशीय दृष्टि से उत्तरी गोलार्द्ध** में स्थित है। इसका मुख्य भूमि से **अक्षांशीय विस्तार 8°4' से 37°6' उत्तरी अक्षांश।**

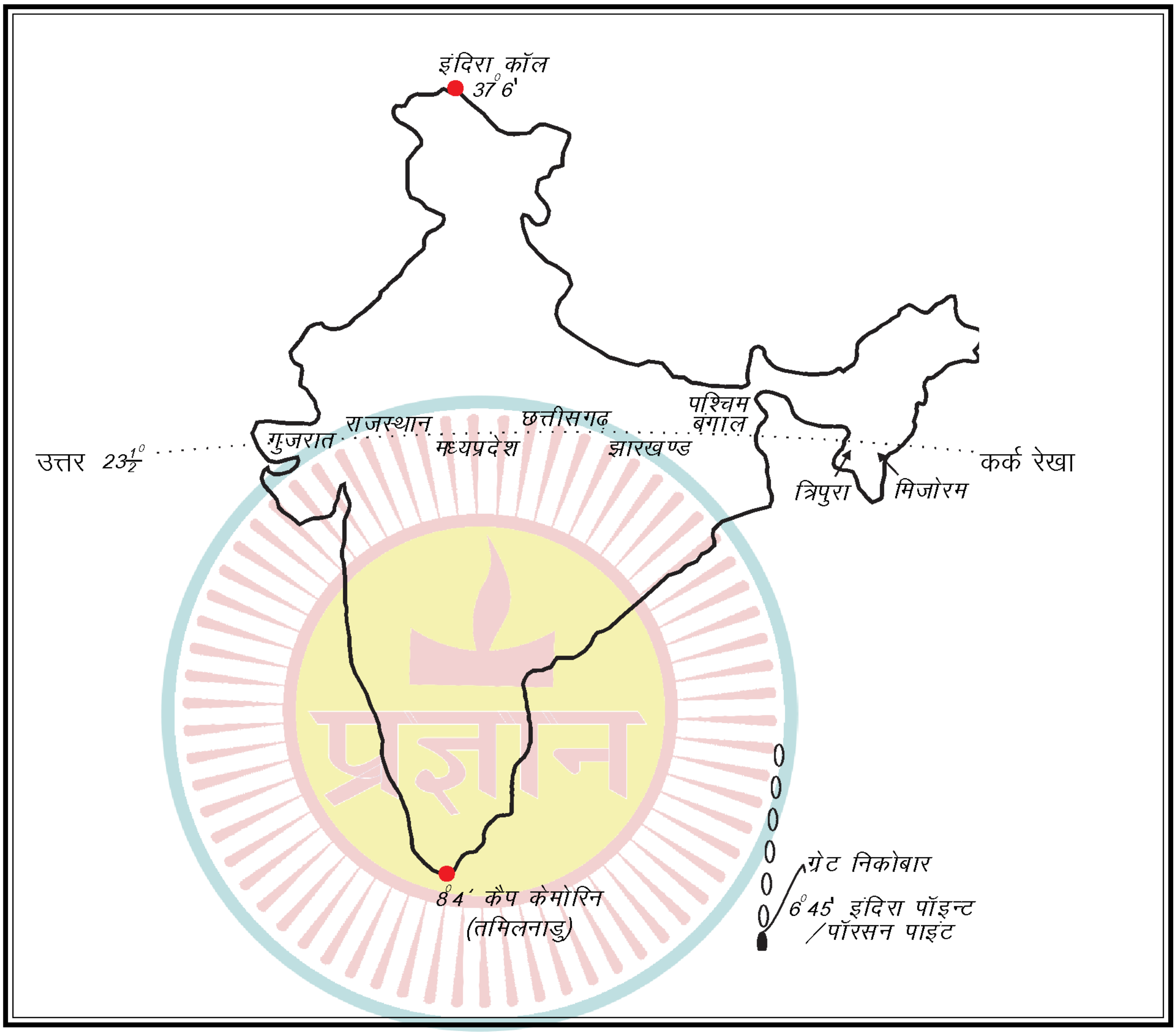

- मुख्य भूमि से **अक्षांशीय अन्तर – 29°20'** तथा **सुदूर दक्षिणतम बिन्दु (ग्रेट निकोबार) से अक्षांशीय विस्तार 6°45' से 37°6' उत्तरी अक्षांशो** के मध्य में और यहाँ से **अक्षांशीय अन्तर 31°20'** है।
- भारत का उत्तरी बिन्दू **इंदिरा कॉल** (37°6' अक्षांश) है जो कि **लद्दाख में (POK)** में स्थित है।
- जबकि मुख्य भूमि का दक्षिणत्तम बिन्दू **कैपकेमोरिन (कन्या कुमारी) तमिलनाडू** में स्थित है। (8°4') जबकि भारत का दक्षिणत्तम बिन्दु **इंदिरा पॉइन्ट** है जो ग्रेट निकोबार द्वीप के **दक्षिणी बिन्दु (6°45')** पर स्थित है। इसे पिग्मेलियन प्वाइंट या पॉरसन प्वाइंट के नाम से भी जाना जाता है। **2004 में आयी** सुनामी में यह बिन्दु जल मग्न हो गया। **विषुवत रेखा से इसकी दूरी 876** किमी है।

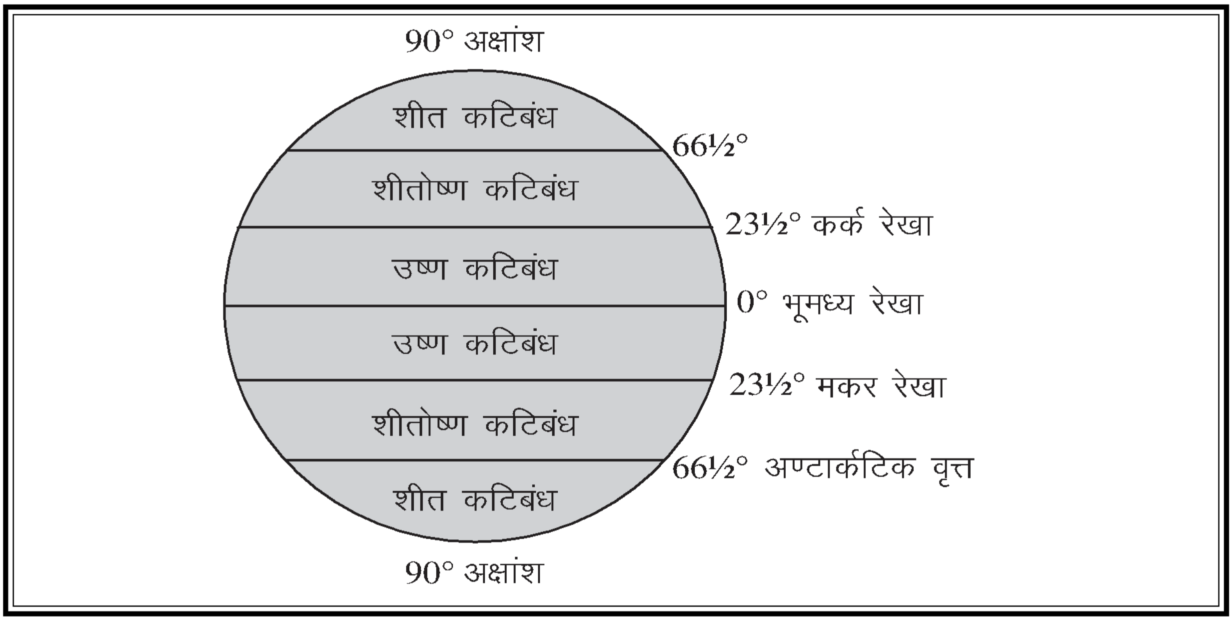

❖ **कर्क रेखा (Tropic of Cancer) $23\frac{1}{2}^\circ$) उत्तरी अक्षांश रेखा :**

- यह **रेखा भारत के मध्य से लगभग आठ** राज्यों से गुजरती है।

1.	गुजरात	2.	राजस्थान	3.	मध्यप्रदेश	4.	छत्तीसगढ़
5.	झारखण्ड	6.	पश्चिम बंगाल	7.	त्रिपुरा	8.	मिजोरम

- कर्क रेखा भारत को लगभग दो बराबर भागों में बांटती है। कर्क रेखा के उत्तरी भाग में शीतोष्ण जलवायु जबकि दक्षिणी भाग में उष्ण कटिबंध जलवायु का विस्तार है।
- कर्क रेखा की सर्वाधिक लम्बाई – **मध्य प्रदेश (200 किमी.)।**
- कर्क रेखा की न्यूनतम लम्बाई – **त्रिपुरा(23 किमी.) में है।**
- कर्क रेखा पर स्थित शहर – **उज्जैन (मध्य प्रदेश), उदयपुर (त्रिपुरा), चाम्फाई (मिजोरम), कृष्णा नगर (पश्चिम बंगाल) लोहारदगा (झारखण्ड),शाहजहांपुरा (मध्य प्रदेश) ।**
- कर्क रेखा पर स्थित (सर्वाधिक नजदीक) राजधानी शहर।

1.	भोपाल	–	$23^\circ 25'$
2.	आइजोल	–	$23^\circ 36'$
3.	रांची	–	$23^\circ 11'$
4.	अगरतला	–	$23^\circ 50'$

❖ अक्षांशो का महत्व :

- किसी स्थान पर कैसी जलवायु है, इसका पता चलता है।
- किसी स्थान की स्थिति का पता चलता है।
- जलवायु कटिबन्धो का **निर्माण–शीतोष्ण (उत्तर भारत)** व **उष्ण कटिबंध (दक्षिण भारत)**।
- **अधिक अक्षांशीय विस्तार का प्रभाव दिन–रात की अवधि** पर पड़ता है। दिन रात की अवधि का निर्धारण होता है।
- **केरल में सबसे छोटे व सबसे बड़े दिन में लगभग 45 मिनट का अन्तर** है। जबकि लेह (लद्दाख) में **यह अन्तर 5 घण्टे का** हो जाता है। इसका **मुख्य कारण विषुवत रेखा से दूरी** है। **केरल व तमिलनाडू विषुवत के निकट** है तो यहाँ किरणें सीधी जबकि जम्मू–कश्मीर कर्क रेखा से दूर होने के कारण किरणें तिरछी पड़ती है।
- उपोष्ण कटिबंध में **सूर्य की किरणें तिरछी** पड़ने से **सूर्यातप कम** प्राप्त है इसलिए उष्ण कटिबंध की तुलना में यहाँ **कम गर्मी** पड़ती है। **अक्षांश में बढ़ोतरी** के साथ, किरणों का **तिरछापन भी बढ़ता** है और **सूर्यातप की मात्रा भी कम** प्राप्त होती है। **किरणों के कोण** के कारण ही **दक्षिण भारत** के सभी स्थानों पर **सूर्य की किरणे सीधी** पड़ती है। यही कारण है **उत्तर भारत** की तुलना में **दक्षिण भारत** में **सूर्यातप अधिक** प्राप्त होता है। अक्षांश की स्थिति ही वार्षिक तापान्तर का निर्धारण करती है।
- **दक्षिण भारत में समकारी जलवायु** पाई जाती है जबकि उत्तरी भारत में **महाद्वीपीय प्रभाव** के कारण **विषमकारी जलवायु** पाई जाती है जिससे दैनिक तापान्तर अधिक पाया जाता है।

❖ मानक समय रेखा :

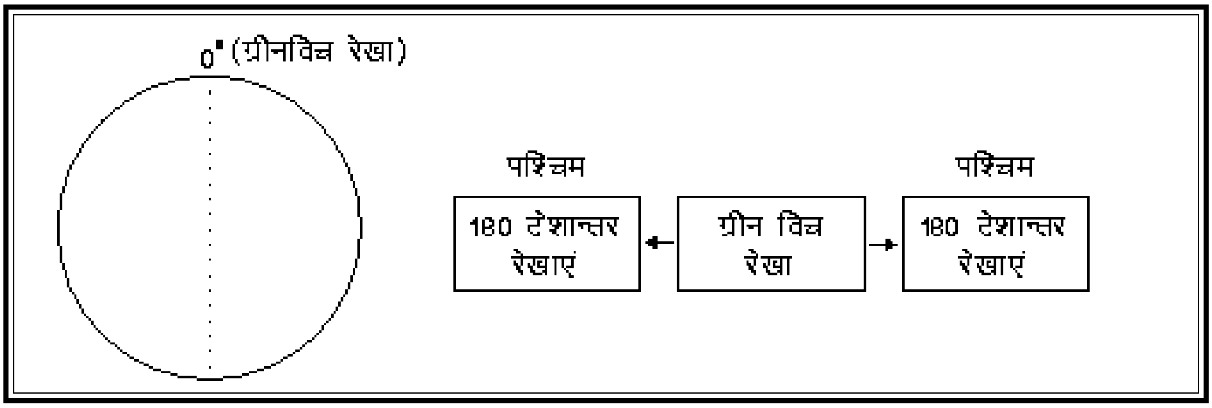

- पृथ्वी **24 घण्टें में 360° अर्थात् 360 देशान्तर** रेखाओं तक घुमती है।

- चूंकि 360° घूमने में पृथ्वी को समय लगता है। 24×60 मिनट = 1440 मिनट (24 घण्टे)।
- इसलिए 1° घूमने में पृथ्वी को समय = $\frac{1440}{360}$ = 4 मिनट।
- चूंकि 1° देशान्तर दूरी तय करने में लगा समय – 4 मिनट
- 4 मिनट समय लगता है – 1° देशान्तर दूरी में
- 60 मिनट समय लगता है – $\frac{1}{4}° \times 60 = 15°$ देशान्तर दूरी
- 15° देशान्तर दूरी तय करने में समय लगता है – 1 घण्टा।
- 1 देशान्तर दूरी तय करने में समय लगेगा – $\frac{1}{15}$ घण्टा।
- इसलिए 180° देशान्तर दूरी तय करने में समय लगेगा – $\frac{1}{15} \times 180 = 12$ घण्टे।
- ग्रीनविच से अन्तर्राष्ट्रीय तिथि रेखा के मध्य अंतर– 12 घण्टों का अन्तर।

भारत का देशान्तरीय विस्तार

- भारत पृथ्वी के पूर्वी गोलार्द्ध में स्थित है।
- भारत का देशान्तरीय विस्तार – 68°7' से 97°25' पूर्वी देशान्तरों के मध्य है।
- भारत का देशान्तरीय अन्तर – 29°18' (लगभग 30 डिग्री)।
- भारत का पूर्वोत्तर बिन्दू – किबिथू/वालांगु (अरूणाचल प्रदेश)।
- भारत का पश्चिमी बिन्दु – गौरमाता / सरक्रिक (गुजरात)।

☞ **नोट** : सरगुजा (छतीसगढ़) पर कर्क रेखा और स्थानीय मानक रेखा एक–दूसरे को काटती है।

❖ $82\frac{1}{2}°$ पूर्वी देशान्तर रेखा :

- यह रेखा इलाहाबाद (प्रयागराज) के मिर्जापुर कस्बे के नैनी से गुजरती है।
- यह भारत की मानक समय देशान्तर रेखा है जो भारत के 5 राज्यों से गुजरती है–

1. उत्तर प्रदेश 2. मध्य प्रदेश 3. छत्तीसगढ़ 4. ओड़िसा 5. आन्ध्र प्रदेश

❖ भारतीय मानक समय रेखा $\left(82\frac{1}{2}°\right)$:

यह मानक समय रेखा ग्रीन वीच मीन टाइम (GMT) (00 देशान्तर) से 5:30 मिनट आगे है।

$82\frac{1}{2}°$ मानक समय रेखा के निकट शहर

1. रीवा (मध्यप्रदेश) – 81°19' पूर्वी देशान्तर।
2. लखनऊ (उत्तरप्रदेश) – 81° पूर्वी देशान्तर।
3. हैदराबाद (तेलंगाना) – 78°29' पूर्वी देशान्तर।
4. सागर (मध्यप्रदेश) – 78°50' पूर्वी देशान्तर।
5. बेंगलुरू – 77°40' पूर्वी देशान्तर।
6. भोपाल (मध्यप्रदेश) – 78°29' पूर्वी देशान्तर।

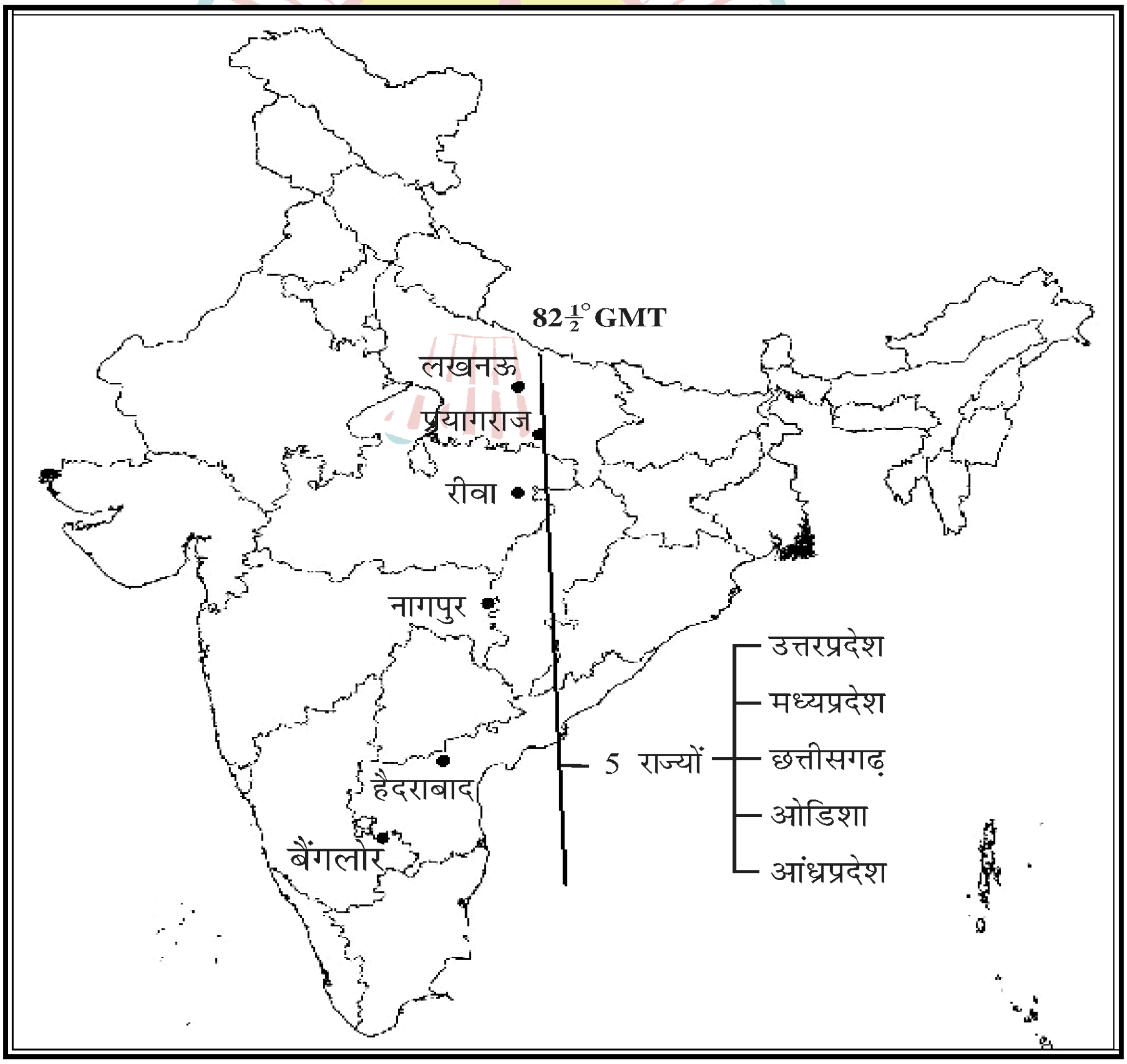

- हाल ही के वर्षो में पूर्वोत्तर भारत के लिए अलग से समय रेखा की मांग हो रही है दो टाइम जोन का प्रस्ताव राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला ने स्वयं तैयार किया है।

♦ **अन्तर्राष्ट्रीय मानक समय :**

(1) IST–I +5:30 H (2) IST–II + 6:60 H

- **89°52' पूर्वी देशान्तर रेखा असम व बंगाल के बीच संकीर्ण सीमा रेखा** पर स्थित है।
- भारत में समय रेखा का निर्धारण **दिल्ली स्थित राष्ट्रीय भौतिकी प्रयोगशाला** द्वारा किया जाता है। वर्तमान की स्थापित टाइम जोन की व्यवस्था **1906 में बनाई** गयी है
- कलकत्ता का समय 1948 तक अलग से निर्धारित था।

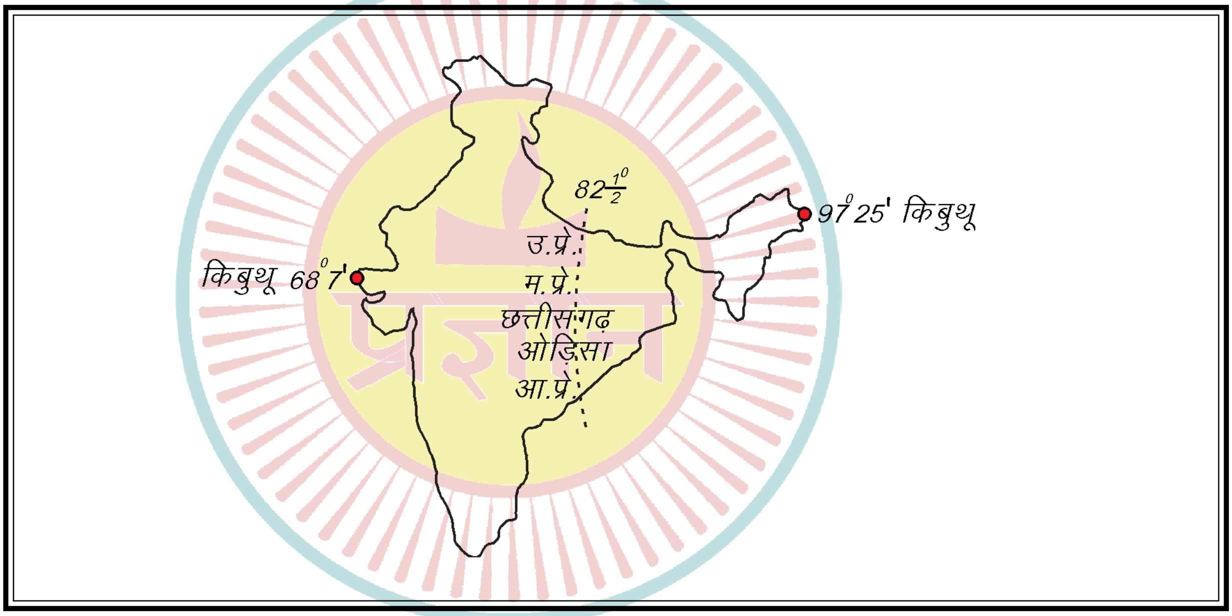

- भारत ग्रीन विच रेखा के पूर्व में स्थित है अतः 0° देशान्तर से 82°30' देशान्तर रेखा तक जाने पर **समय 5 घण्टा 30 मिनट** तक बढ़ जाता है।
- **15° देशान्तरीय दूरी में समय – 60 मिनट।**
- **7°30' देशान्तरीय दूरी में समय – 30 मिनट।**
- **अतः 82°30' में समय निर्धारण 5 घण्टे 30 मिनट।**
- भारत के **पश्चिम बिन्दु (68°7') से भारत के पूर्वतम (97°25') बिन्दु** के मध्य लगभग 30° देशान्तर का अन्तर है। अतः भारत के पूर्वीतट तथा पश्चिमी तट के मध्य लगभग **2 घण्टे** का अंतर पाया जाता है।

❖ भारत की लम्बाई व चौड़ाई :

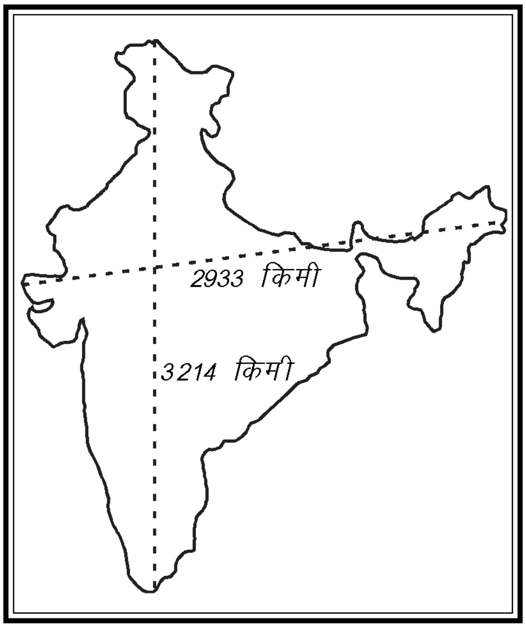

- उत्तर से दक्षिण की लम्बाई – 3214 किमी।
- पूर्व से पश्चिम की चौड़ाई – 2933 किमी
- लम्बाई – चौड़ाई का अन्तर – 281 किमी।
- भूमध्य रेखा से दूरी (इंदिरा पॉइन्ट)– 876 किमी।
- भारत का क्षेत्रफल – 32,87,263 वर्ग किमी।
- वर्गमील में क्षेत्रफल – 12,69,214 वर्ग मील।
- भारत के पास विश्व का 2.43 प्रतिशत भू–भाग है।
- भारत विश्व का सातवां बड़ा देश है :

1. रूस	2. कनाड़ा	3. अमेरिका
4. चीन	5. ब्राजील	6. आस्ट्रेलिया
7. भारत		

- भारत का देशांतर व अक्षांशीय विस्तार समान (लगभग 30 डिग्री) होने के बावजूद उत्तर–दक्षिण तथा पूर्व–पश्चिम विस्तार की दूरी में लगभग 281 किमी का अंतर पाया जाता है यह अंतर अक्षांशीय रेखाओं के मध्य की दूरी (110 किमी) स्थाई तथा देशांतरीय रेखाओं की दूरी उच्च अक्षांशों में कम होने के कारण कम पाई जाती है इसलिए समान अक्षांश और देशांतरीय विस्तार होने पर भी दूरी में अंतर पाया जाता है।

❖ क्षेत्रफल की दृष्टि भारत के के राज्यों की स्थिति :

सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले राज्य	न्यूनतम क्षेत्रफल वाले राज्य
1. राजस्थान	1. गोवा
2. मध्य प्रदेश	2. सिक्किम
3. महाराष्ट्र	3. त्रिपुरा
4. उत्तर प्रदेश	4. नागालैण्ड

❖ क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत के केन्द्र शासित प्रदेशों की स्थिति :

सबसे बड़े केन्द्रशासित प्रदेश	सबसे छोटे केन्द्र शासित प्रदेश
1. जम्मू–कश्मीर – (163040 किमी.)	1. लक्षद्वीप – (32 किमी.)।
2. लद्दाख – (59196 किमी.)	2. चण्डीगढ़ – (114 किमी.)।
3. अण्डमान एवं निकोबार – (8249 किमी.)	3. पुदुचेरी – (490 किमी.)।
4. दिल्ली – (1483 किमी.)	4. दमन दीप – (609 किमी.)।

❖ क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत के जिलो की स्थिति :

क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़े जिले	क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटे जिले
1. कच्छ	1. माहे
2. लेह	2. यनम
3. जैसलमेर	3. दिल्ली

❖ भारत में सर्वाधिक व न्यूनतम जिलों वाले राज्य :

सर्वाधिक	न्यूनतम
1. उत्तरप्रदेश – 75	1. गोवा– 2
2. मध्यप्रदेश – 52	2. सिक्किम– 4
3. राजस्थान – 50	
4. महाराष्ट्र – 38	
5. बिहार – 36	
6. गुजरात तथा तेलंगाना – 33	

❖ जनसंख्या :

- 2011 की जनगणना के अनुसार भारत के पास **विश्व की 17.5 प्रतिशत जनसंख्या** है और यह चीन के बाद **विश्व का दूसरा सबसे बड़ा जनसंख्या** वाला **देश** है।

1. चीन
2. भारत
3. अमेरिका
4. इण्डोनेशिया
5. ब्राजील

❖ भारत के सर्वाधिक व न्यूनतम जनसंख्या वाले राज्य :

सर्वाधिक जनसंख्या	न्यूनतम जनसंख्या
1. उत्तरप्रदेश	1. सिक्किम
2. महाराष्ट्र	2. मिजोरम
3. बिहार	3. अरूणाचल प्रदेश
4. पश्चिम बंगाल	4. नागालैण्ड

☞ **नोट : यू. एन. एफ. ए. की द स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट, 2023** के अनुसार भारत की **जनसंख्या 142.86 करोड़** जबकि चीन की जनसंख्या 142.57 लाख है।

भारत की सीमाएँ

कुल सीमा 22700 किमी.

22700 किमी

अंतर्राष्ट्रीय सीमा (स्थलीय)

15106 किमी (15200 किमी)

बांग्लादेश	–	4096 किमी
चीन	–	3488 किमी
पाकिस्तान	–	3323 किमी
नेपाल	–	1751 किमी
म्यांमार	–	1643 किमी
भूटान	–	699 किमी
अफगानिस्तान	–	106 किमी

जलीय सीमा

7516.6 किमी

द्वीपीय सीमा

अण्डमान निकोबार	–	1962 किमी
लक्षद्वीप	–	132 किमी
पुदुचेरी	–	31 किमी
दमन एवं द्वीव	–	27.2 किमी

मुख्य तटीय सीमा (9 राज्य)

गुजरात	–	1214 किमी
आन्ध्रप्रदेश	–	973 किमी
तमिलनाडु	–	906 किमी
महाराष्ट्र	–	652 किमी
केरलर	–	559 किमी
ओड़िसा	–	457 किमी
कर्नाटक	–	280 किमी
बंगाल	–	257 किमी
गोवा	–	151 किमी

स्थलीय सीमा

❖ **बांग्लादेश (4096 किमी) :– रेडक्लिप रेखा :**

- भारत की बांग्लादेश के साथ सर्वाधिक लम्बी सीमा लगती है।
- भारत के **पाँच राज्य बाग्लादेश** के साथ सीमा बनाते है–

1. पश्चिम बंगाल **2. असम** **3. मेघालय**

4. मिजोरम **5. त्रिपुरा**

- गंगा नदी **भारत व बांग्लादेश** के मध्य सीमा बनाती है।
- **त्रिपुरा और बांग्लादेश** के मध्य लगने वाली सीमा रेखा **शून्य रेखा (Zero Line)** कहलाती है।
- **सिलिगुड़ी गलियारा** – यह बंगाल में स्थित है, नेपाल तथा बांग्लादेश के साथ उत्तर–पूर्व भारत को जोड़ता है। इसे 'चिकन नेक ऑफ इंण्डिया' कहते है। NH-31 इससे होकर गुजरता है।

♦ **विवाद के बिन्दु :**

1. शरणार्थियों की समस्या (चकमा)।
2. अवैद्य अप्रवासन की समस्या।
3. तारबंदी को लेकर मतभेद।
4. तिस्ता नदी विवाद को लेकर विवाद।

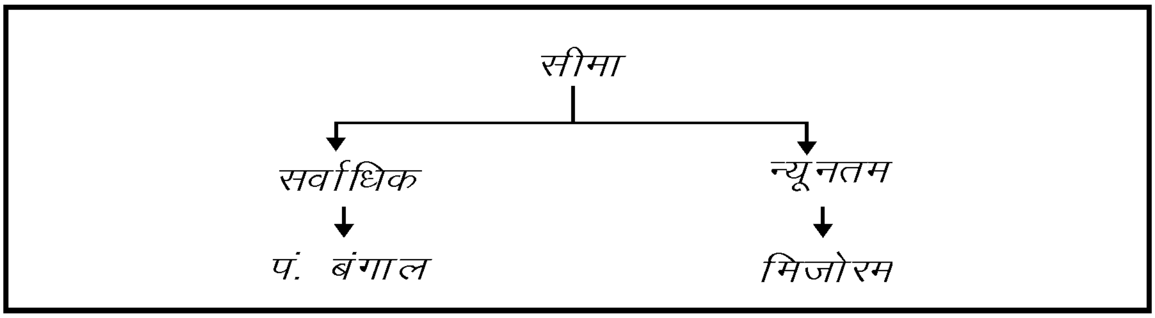

- असम से **बांग्लादेश की दो बार सीमा** लगती है।
- **लोन्गाई नदी** – यह मिजोरम व बाग्लांदेश के मध्य सीमा बनाती है।

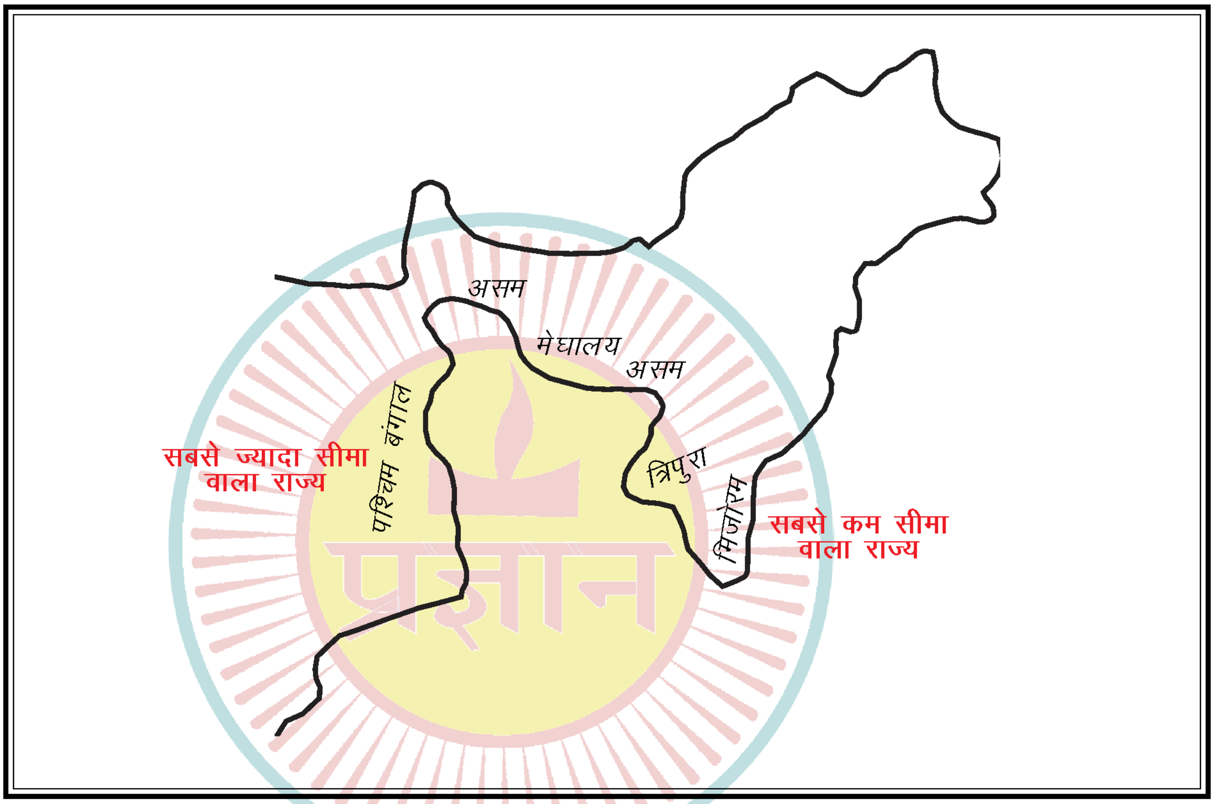

❖ चीन (3488 किमी) :

- सीमाकंन – **27 अप्रैल 1914 – शिमला में (सर हैनरी मैकमोहन)** द्वारा इसलिए इसका नाम – **मैकमोहन रेखा** पड़ा।
- **जम्मू–कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, सिक्किम, अरूणाचल** प्रदेश की सीमा लगती है।

♦ LAC (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल/वास्तविक नियंत्रण रेखा) :

- जम्मू–कश्मीर में भारत व चीन के मध्य स्थित है जो अक्साई चीन को अलग करती है।

❖ पाकिस्तान (3323 किमी) :

- **निर्धारण** – 17 अगस्त 1947 को हुआ।
- **आयोग** – सर सिरिल रेड क्लिफ (बार्डर कमीशन के अध्यक्ष)
- **नाम** – रेडक्लिफ रेखा – गुजरात, राजस्थान, पंजाब, जम्मू–कश्मीर, लद्दाख।
- **नियंत्रण रेखा (LOC)** :– दोनों देशों के मध्य काल्पनिक रेखा है। इसे सीज फायर लाइन के रूप में जानते है। इसे अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता नहीं है।
- इसमें **पाक अधिकृत कश्मीर Pok** स्थित है जिसकी राजधानी मुजफ्फराबाद है।

❖ नेपाल (1751 KM) :

- बिहार – 729 किमी
- उत्तर प्रदेश – 560 किमी
- उत्तराखण्ड – 263 किमी
- बंगाल – 100 किमी
- सिक्किम – 99 किमी

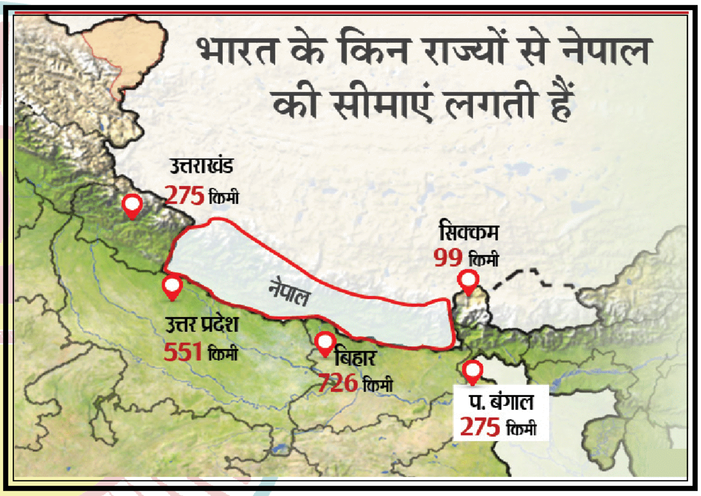

❖ म्यांमार (1643 किमी) :

- अरूणाचल प्रदेश – 520 किमी.
- नागालैण्ड – 215 किमी.
- मणिपुर – 398 किमी.
- मिजोरम – 510 किमी.
- 1826 यांडबू संधि मे 10 मार्च 1967 द्वारा निर्धारण।

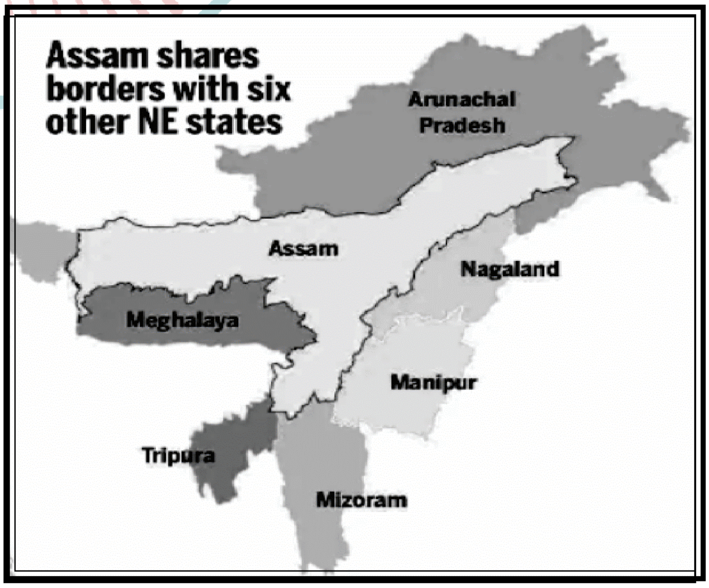

1. बफर राज्य (चीन के विरूद्ध)
2. खापलांग (नेशनलिस्ट सॉश्लिस्ट काउन्सलिंग नागलिम)
3. BCIM– बांग्लादेश, चीन, भारत, म्यांमार कोरिडोर इसमें स्थित है।

❖ भूटान (699 किमी) :

- 1949 में निर्धारण।
- पश्चिम बंगाल – 183 किमी।
- सिक्किम – 32 किमी।
- अरूणाचल प्रदेश – 217 किमी।
- असम – 267 किमी।

❖ अफगानिस्तान (106 किमी) :

- इस रेखा का निर्धारण **1893 ई. में सर मॉर्टिमर डूरण्ड** ने किया था। उसे डूरण्ड रेखा भी कहते है।

☞ **नोट** : **भारत की जलीय सीमा 7 पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, थाईलैण्ड, इण्डोनेशिया, श्रीलंका और मालदीव** से लगती है।

महत्वपूर्ण तथ्य :

- **भारत के तटीय क्षेत्र से 9 राज्यों तथा 4** केन्द्र शासित प्रदेशों के **66 जिलों की सीमा स्पर्श** करती है। भारत के 16 राज्यों व 2 केन्द्र शासित प्रदेशों की सीमाएं अन्तर्राष्ट्रीय है। कुल 18 की स्थलीय सीमा है।
- **भारत के स्थलरूढ़/आन्तरिकराज्य 5 है जो निम्न प्रकार है–**

1. हरियाणा 2. छत्तीसगढ़ 3. तेलंगाना
4. मध्य प्रदेश 5. झारखण्ड

- दिल्ली व चंडीगढ़ की न तो जलीय न ही अन्तर्राष्ट्रीय सीमा लगती है।

♦ तीन देशों के साथ सीमा वाले राज्य :

☞ **सिक्किम** – नेपाल, भूटान, चीन।

☞ **अरूणाचल प्रदेश** – चीन, भूटान, म्यांमार।

☞ **लद्दाख** – चीन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान।

- **सीमावर्ती राज्य** – 23 राज्य तथा 4 केन्द्र शासित प्रदेश (दमन दीप, पांडिचेरी, लद्दाख तथा जम्मू–कश्मीर)।
- **स्थलीय सीमा** – 16 राज्य तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेश।

♦ **उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा सर्वाधिक राज्यों से लगती है :–**

1.	मध्य प्रदेश (सर्वाधिक सीमा)	2.	बिहार	3.	उत्तराखण्ड	4.	हरियाणा
5.	हिमाचल प्रदेश (न्यूनतम सीमा)	6.	छत्तीसगढ़	7.	झारखण्ड	8.	राजस्थान
9.	दिल्ली (केन्द्र शासित प्रदेश)।						

जल क्षेत्र की सीमा

❖ **प्रादेशिक जल सीमा (Territorial Sea) :**

- यह तटीय रेखा से **12 नॉटिकल** समुद्री मील तक का क्षेत्र है।
- इस क्षेत्र में भारत को सभी प्रकार के संसाधनों के दोहन का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

☞ **नोट :** 1 नाटिकल समुद्री मील में **1.852 किमी** होता है।

- यह भारत के एकाधिकार वाला है।

❖ **संलग्न जलीय क्षेत्र (Contiguous Zone) :**

- यह प्रादेशिक **जलीय सीमा से (12–24) 24 नॉटिकल मील** के मध्य स्थित है।
- **सीमा शुल्क, अप्रवासी कानून पर्यावरण स्वच्छता, राजकोषीय अधिकार** से संबंधित कानून इस क्षेत्र में लागू होते है।

❖ **अनन्य आर्थिक क्षेत्र :**

- **यह 24–200 नॉटिकल मील के मध्य** का क्षेत्र है। **कुल 176 नॉटिकल मील के मध्य** स्थित है। उसमें वित्तीय अधिकार प्राप्त होते हैं।
- भारत को सागरीय जल शक्ति, सागरीय जीवों व संसाधनों को सर्वेक्षण, विदोहन, अनुसंधान की शक्ति प्राप्त है। **इस क्षेत्र में भारत सीमा शुल्क आदि वसूल** सकता है। साथ ही भारत को वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नये द्वीपो का निर्माण करने का अधिकार प्राप्त होता है।

❖ संयुक्त राष्ट्र की समुन्द्र कानून संधि (UNCIOS):

- **United Nations Convention of The Law of The Sea (संयुक्त राष्ट्र की समुद्री कानून संधि)।**
- यह एक अन्तर्राष्ट्रीय संधि है जो 1982 में हुई थी। लागू 1994 में गुयाना के हस्ताक्षर के बाद इसे 1994 में लागू किया गया। क्योंकि कम से कम 60 देशों के हस्ताक्षर जरूरी थे।
- यह संधि दुनिया में सागरों और महासागरों पर विभिन्न देशों के अधिकार और जिम्मेदारियों को निर्धारित करती है तथा समुद्री संसाधनों के दोहन के नियम स्थापित करती है।
- UNCIOS के आधार पर समुद्र तट से दूरी के आधार पर तीनों क्षेत्रों को परिभाषित किया गया है।

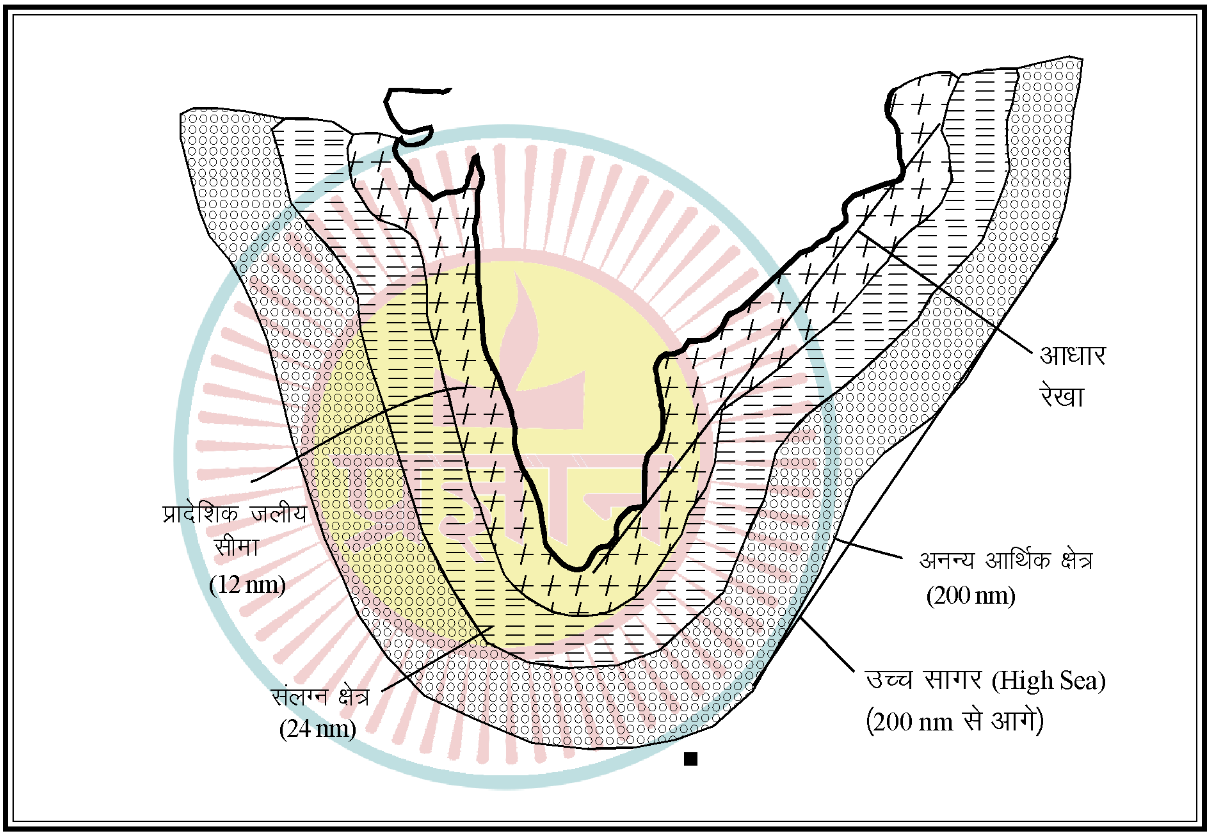

महत्वपूर्ण चैनल :

- **8° चैनल** – मालद्वीव व मिनिकाय के मध्य।
- **9° चैनल** – मिनिकाय व लक्षद्वीप के मध्य।
- **10° चैनल** – अंडमान व निकोबार के मध्य।
- **डक्कन पास** – दक्षिण अंडमान व लघु अंडमान के मध्य।
- **ग्रेट/महान चैनल** – सुमात्रा व ग्रेट निकोबार के मध्य।

- **कोको स्ट्रेट** – उत्तरी अंडमान व कोको द्वीप के मध्य।
- **पाक स्ट्रेट(जल डमरू मध्य)** – पोईन्ट कोलिमो (तमिलनाडु) व जाफना के मध्य।
- **मन्नार की खाड़ी** – तमिलनाडु व श्रीलंका के मध्य।
- **खम्भात की खाड़ी** – नर्मदा व ताप्ती का मुहाना।
- **कच्छ की खाड़ी** – पश्चिम गुजरात।

❖ **रामसेतु (एडम्स ब्रीज) :**

- **धनुषकोडी (पम्बन द्वीप) व तलाई मन्नार द्वीप (श्रीलंका) के बीच छोटे दीपों** एवं **रेतीले बंधों की 36 किमी लम्बी शृंखला या सेतुबंध।**

❖ **अण्डडा द्वीप :**

- **मन्नार की खाड़ी** में स्थित प्रवाल भित्ति द्वीप यहां पर **तूतीकोरण तेल** कारखाने के कारण यहाँ का जल प्रदूषित हो रहा है जिससे यहाँ के **पारिस्थितिक तंत्र पर प्रतिकूल** प्रभाव पड़ रहा है।

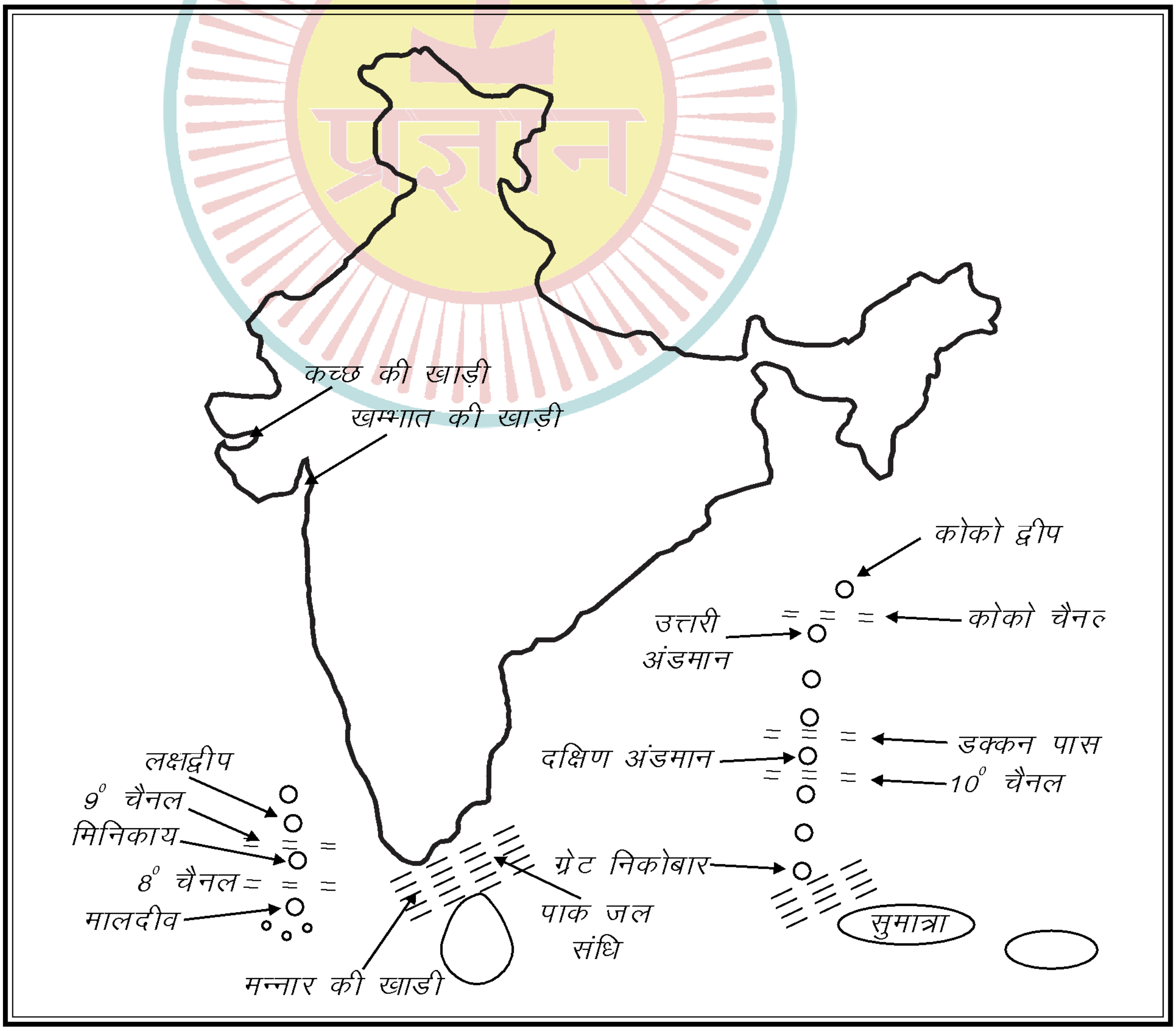

❖ **राज्य व केन्द्रशासित प्रदेश :–** वर्तमान में भारत में 28 राज्य व 8 केन्द्रशासित प्रदेश।

1947 :– S.K. एस.के. धर ओयोग (4 सदस्यीय) – प्रशासनिक, वित्तीय, भौगोलिक विकास।

1949 :–JVP जेवीपी समिति के अधिकार पर राज्यों के पुनर्गठन की सिफारिश की।

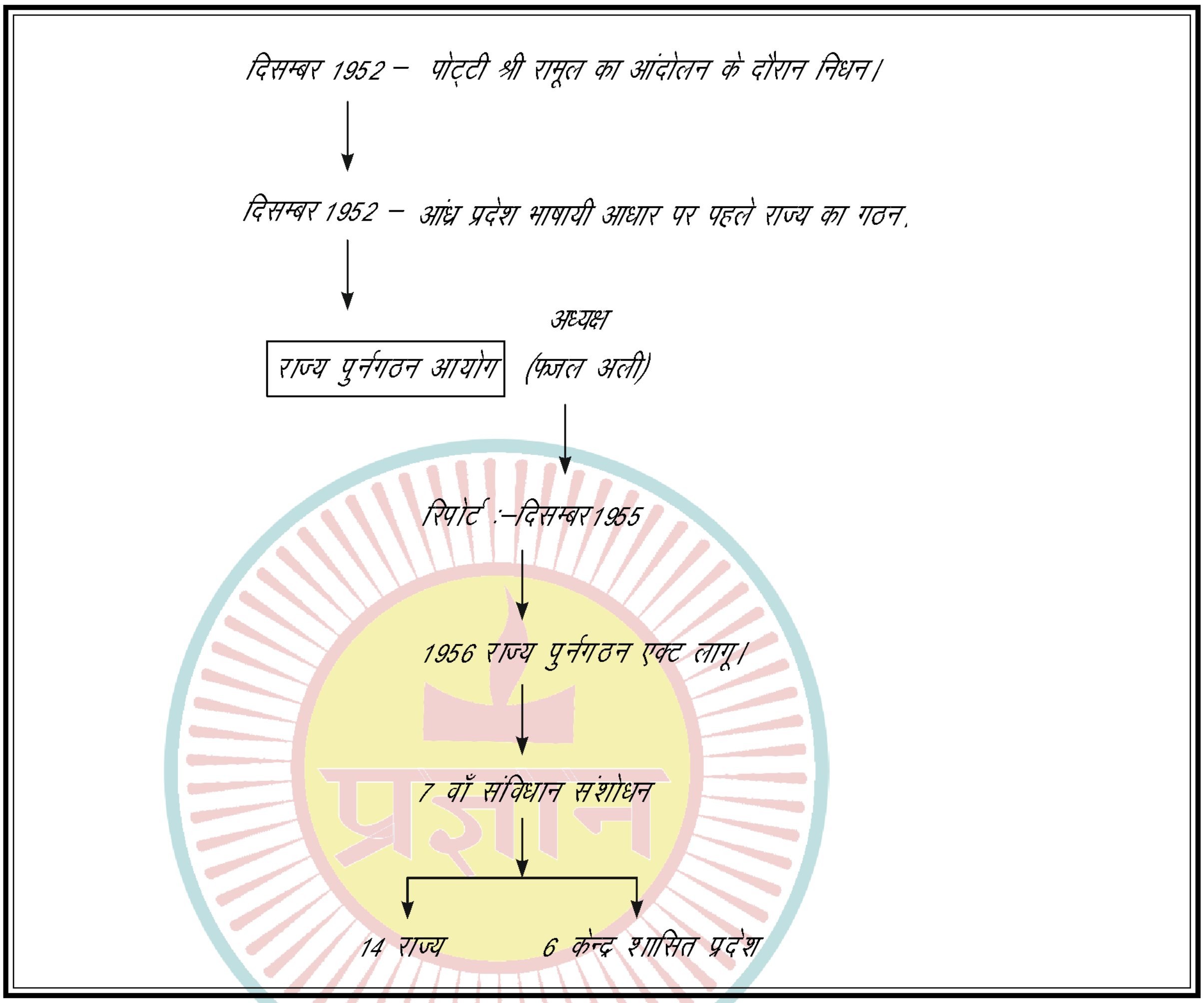

❖ **अधिग्रहण :**

- दादर नगर हवेली – 11 अगस्त, 1961
- दमन दीप – 19 दिसम्बर, 1961
- गोवा – 18–19 दिसम्बर, 1961
- चन्द्र नगर – 26 जून, 1949
- पांडिचेरी, कराईकल, माहे, यमन – 1 नवम्बर, 1954

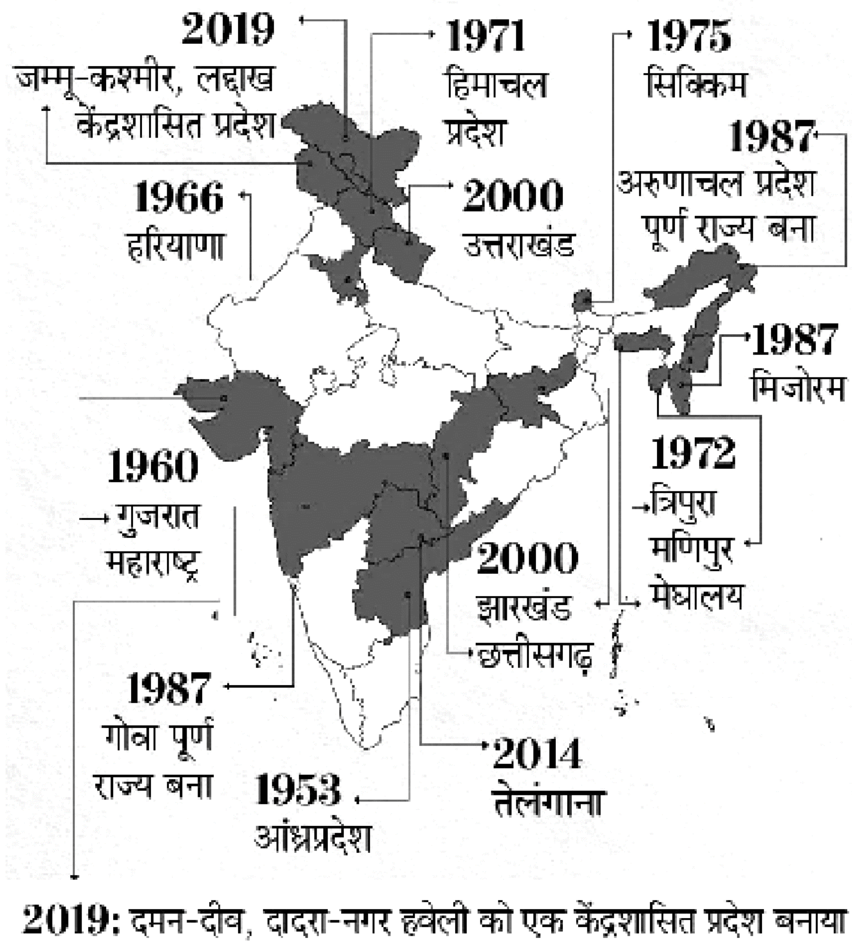

❖ हिन्द महासागर व भारत :

- भारत की केन्द्रीय स्थिति के कारण ही एक मात्र महासागर जिसका नाम हिन्द महासागर है। भारत की केन्द्रीय स्थिति हिन्द महासागर में भारत के सामरिक स्थिति को बढ़ाती है।
- सभी मार्ग पश्चिम जगत/पश्चिम एशिया/पूर्वी व दक्षिण एशिया के यही से ही गुजरते है।
- भारत का 95 प्रतिशत व्यापार हिन्द महासागर के व्यापारिक मार्गो से होता है।
- भारत का EEZ 23 लाख यानी भारत की कुल भूमि का 2/3 प्रतिशत है जो भारत के जलीय संसाधन के दोहन के लिए लाभदायक है।
- भारत लगभग 41 लाख टन मछली का उत्पादन करता है।
- रासायनिक खनिज, बहु धात्विक पिंड खनिज तेल, नमक, ऊर्जा (ज्वारीय, तरंगीय, तापीय) आदि का उत्पादन भी इस क्षेत्र में होता है।
- भारत अपनी सभ्यता व संस्कृति का प्रसार करता है। यह क्षेत्र भारत की जलवायु को प्रभावित करता है।

*****